बिहार विधान-सभा वादवृत।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य विवरण।

सभा के अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बृहस्पतिवार, तिथि २५ मार्च, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

विगत अधिवेशन के बचे हुये अतारांकित प्रश्नों के संबंध में सूचना।

डा० अनुग्रह नारायण सिंह—मैं गत अधिवेशन के १९३ प्रश्नों में से ५२ प्रश्नों के उत्तर मेज पर रखता हूं। ऐसे ही प्रश्नों के उत्तर समय-समय पर सचिवालय के विभागों से उपलब्ध होने पर रखे जायँगे।

अतारांकित प्रश्नोत्तर।

UNSTARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

संथाल परगना के अफसरों को भत्ता।

१५८। श्री जेठा किस्कू—क्या मुख्य मंत्री, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) संथाल परगना के किन २ मजिस्ट्रेटों को कितना २ वेतन और भत्ता मिला है;

(ख) १९५२ साल में प्रत्येक को कितना वेतन और भत्ता मिला?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) एक विवरण मेज पर रखा है। प्रत्येक मजिस्ट्रेट हर महीने जो यात्रा भत्ता लेता है वह नियत नहीं है। वह तो उसके दौरा पर निर्भर करता है।

(ख) एक विवरण पुस्तकालय की मेज पर रखा है।

अधिक पैसा का लिया जाना।

१५९। श्री रामानन्द तिवारी—क्या मुख्य मंत्री, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि नाथनगर सी० टी० एस० में सिपाहियों के साथ खाने तथा और और सामान खरीदने में ठीकेदार अधिक पैसा लेता है;

(ख) क्या यह बात सही है कि वहां के सिपाहियों ने कई बार उच्च अधिकारियों का ध्यान इस ओर दिलाया, जिसके चलते भागलपुर के डी० आइ०-जी० जांच में गये थे;

(ग) क्या यह बात सही है कि डी०-आई० जी० ने उन आरोपों को सही पाया और सिपाहियों को आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार ने इस पर कौन सी कार्रवाई की जिससे सिपाहियों को राहत मिले?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) सी० टी० एस० के रंगरूटों के मेस की वर्तमान प्रणाली के अनुसार ठीकेदार जो खाद्य पदार्थ और अन्य सामग्रियां देता है उनके लिए अधिक कीमत नहीं ले सकता। ठीकेदार महीना भर चावल, दाल आटा, चना तेल तथा कुछ अन्य वस्तु उधार देता है पर शर्त यह रहती है कि अगले महीने के पहले हफ्ते में पूरी कीमत चुका दी जाएगी। सब्जी तथा कुछ अन्य वस्तुएं, जिन्हें रोज खरीदना पड़ता

(ख) क्या यह बात सही है कि श्री वंशी लाल राजनीतिक-पीड़ित हैं, यदि हां, तो वे कितनी बार जेल गये और उनका कितना आर्थिक नुकसान हुआ ;

(ग) क्या यह बात सही है कि स्थानीय जनता ने उनके खिलाफ एक दरखास्त दी है कि वे राजनीतिक पीड़ित नहीं हैं, और यदि हां, तो सरकार इस विषय में कौन-सी उचित कार्रवाई कर रही है ?

डा० श्री कृष्ण सिंह—(क) श्री वंशी लाल, वल्द श्री खदेरन लाल, ग्राम बदलपुरा, थाना खगोल, जिला पटना, को साहाय्य-अनुदान देने के मामले पर सरकार विचार कर रही है।

(ख) उन्हें कुछ उत्तरदायी कांग्रेसियों ने प्रमाण-पत्र दिए हैं जिनसे प्रकट होता है कि वे एक राजनीतिक पीड़ित हैं। वे जेल नहीं गए। रिपोर्ट मिली है कि १९४२ के स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने के कारण उन्हें नौकरी से हटा दिया गया था ; इसके सिवा उन्हें कोई अन्य आर्थिक क्षति नहीं पहुंची थी। इस संबन्ध में जांच-पड़ताल हो रही है।

(ग) उत्तर स्वीकारात्मक है। शिकायत की दरखास्त पर जांच-पड़ताल की जा रही है।

TOTAL AMOUNT OF MONEY SPENT OVER IRRIGATION.

165. Shri JAGARNATH PRASAD SINGH: Will the Chief Minister be pleased to state—

(*a*) the total number of and the amount spent over irrigation works in Sasaram area of Sasaram-Mohania-Bhelwa Community Project;

(*b*) the work so far done in the fields of (*i*) Education, (*ii*) Sanitation, (*iii*) Communications and (*iv*) Cottage Industries in the said area;

(*c*) the amount so far spent over (*a*) the establishment and (*b*) salary of all officers and staff and (*c*) petrol;

(*d*) the total amount paid to villagers of Sasaram Subdivision so far by way of contribution and otherwise;

(*e*) the reasons for not undertaking the construction of a hospital in the area so long?

Dr. SHRIKRISHNA SINHA: (*a*) The answer is nil so far as Sasaram Block is concerned, but the total number of irrigation works in the Bhabua-Mohania-Sasaram Community Project is 17 and the estimated cost thereof is Rs. 33,75,020.

The following schemes are under investigation:—

1. Durgawati major irrigation scheme.
2. Suara major irrigation scheme.
3. Sikhthi major irrigation scheme.
4. Repair of a Bundh in village Kaithi in P.-S. Sasaram.
5. Construction of a pyne in village Takya, P.-S. Sasaram.
6. Repairs of an Ahar in village Kirhindi, P.-S. Sasaram.
7. Repairs of a bundh in village Patarho, P.-S. Sasaram.

(*b*) (*i*) In Sasaram Block one Junior basic school was started and necessary land for conversion of a local board school into Senior basic school was obtained and the deed of gift registered.

In the Bhabhua-Mohania-Sasaram Community Project, 44.45 acres of land valued at Rs. 1,10,375 have been secured either for construction of new schools or conversion of traditional schools into basic ones. One pucca and four catcha buildings were built by the villagers. Basic school was opened in each of the villages of Bhairgama, Itarhi, Kori, Semra, and Bahuara. Taking over of the District Board schools is in progress.

(*ii*) Details.

	No. in Sasaram Block.	No. in Babua-Mohania-Sasaram.
Persons vaccinated against Cholera ..	24,325	35,499
Persons vaccinated against Small-pox ..	1,211	3,334
Cholera patients treated	..	405
Malaria cases treated	430	5,158
Wells disinfected	908	2,717
Houses disinfected	302	510
Drinking wells repaired	..	23
Soakage pits made	53	891
Bore hole latrine made	9	107

(*iii*) In Sasaram Block, village roads covering a total distance of one mile and 1,100 yards, were constructed. In the Bhabua-Mohania-Sasaram Community Project a total length of 19 miles of katcha roads was constructed and 36 hume pipe culverts were provided in these roads.

(*iv*) In Sasaram Block arrangements for starting "Production-*cum*-Training Centre" in Cotton Weaving, Wool Weaving and Palm Gur making industries were made. In the Bhabua-Mohania-Sasaram Community Project "Production-*cum*-Training Centres" for different crafts were started. Training centres for Handloom weaving, different crafts were started. Training centres for Handloom weaving, knitting and emboidery and needle work were set up. Settlement of 150 Palm trees and their treatment were made.

(*c*) Statement of expenditure :—

	In Bhabua-Mohania-Sasaram Community Project.
	Rs.
(*a*) Establishment	61,379
(*b*) Salary of all the officers and staff ..	95,413
(*c*) Petrol	5,711

(*d*) The amount sepnt from Government fund to the villagers of the Sasaram Block by way of contribution and otherwise is Rs. 1,995. The amount spent from Government funds to the villagers of the Bhabhua-Mohania-Sasaram Community Project is Rs. 34,161. The total contribution from the villagers on different items of development amounts to Rs. 1,95,927.

(e) A Subdivisional Hospital already exists at Sasaram. As regards static despensaries improvement by way of providing six bedded accommodation and necessary medicines, staff etc. is aimed at. Negotiation for construction of a Ward at Kudra is being made with the Shahabad District Board. Another Subdivisional Hospital exists at Bhabua. These Hospitals are subsidised for purchase of medicines. In the circumstances, it is not proposed to construct another hospital at Sasaram.

सोन नहर का निर्माण ।

१६६। श्री जागेश्वर प्रसाद 'खलिश'—क्या मंत्री, सिचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) सोन नहर का निर्माण किस साल हुआ और उसकी बनावट में कितने रुपये खर्च हुए ;

(ख) निर्माण के साल से आजतक कब और कितनी बार इस नहर की सफाई और मरम्मती हुई और उसमें कितने रुपये खर्च हुए ;

(ग) इस नहर से कितनी एकड़ भूमि की सिंचाई होती है ;

(घ) १९४७-४८ से १९५२-५३ तक इस नहर से सरकार को कितनी आमदनी हुई और कितना खर्च हुआ ?

श्री राम चरित्र सिंह—(क) सोन नहर का निर्माण सन् १८७४ में हुआ था और उसके बनाने में २,६८,८२,४७२ रु० लगे थे ।

(ख) सोन नहर की सफाई और मरम्मत आवश्यकतानुसानर प्रत्येक साल की जाती है। जब से इसका निर्माण हुआ उस समय से १९५२-५३ तक इसकी सफाई और मरम्मत में २,५४,३५,०७० रु० खर्च हुए हैं।

(ग) इस नहर से ८,६१,४३६ एकड़ जमीन की सिंचाई अभी तक हुई है।

(घ) इस नहर से १९४७-४८ से लेकर १९५२-५३ तक कुल २,१९,४२,११५ रु० आमदनी हुई है और करीब १,३३,२२,२८६ रु० खर्च हुए हैं। खर्च के इन आंकड़ों में लागत पर ब्याज, और वह रकम शामिल नहीं है जो बांध तथा नहरों की उपयोगिता के उत्तरोत्तर घटने से होने वाली क्षति के बराबर है जिसके कारण अधिक खर्च पर उन्हें बदलने तथा सुधारने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है।

चीनी मिलों की संख्या ।

१६७। श्री रामानन्द तिवारी—क्या मंत्री, विकास (उद्योग) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) इस राज्य में कुल कितनी चीनी मिलें हैं ;

(ख) कौन-कौन (फैक्टरी) मिलें कब, किस महीने तथा किस साल में बनी ;

(ग) अभी तक उन फैक्टरियों को कब मरम्मत किया गया और इसमें मिल मालिकों के कितने पैसे खर्च हुए ;

(घ) अभी तक फैक्टरियों में कितनी चीनी बनी ;

(ङ) किस-किस फैक्टरी को जब से उसका निर्माण हुआ, उस वक्त से आज तक कितना मुनाफा हुआ और कितना बैलेंस शीट है ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(क) इस राज्य में कुल ३० चीनी के मिल हैं जिसमें २८ मिल चालू हैं।